



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

ल. 503]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 20, 1989/भाद्रा 29, 1911

No. 503] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 20, 1989/BHADRA 29, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल-भूताल पीरयहन मंत्रालय

अनुमूली

(पत्रनं पक्ष)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1989

प्रधिकारिता

गा. का. नि. 847(प्र).—महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गणितीय का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त आधिनियम की धारा 123 द्वारा नव मंगलूर पत्तन के व्यापियों के मंडल को प्रदत्त गणितीय का प्रयोग करने हुए 'प्रौढ़ कर्नाटक सरकार के राजपत्र' (विनांक 25 मई, 1989 और 1 जून, 1989 में प्रकाशित नव मंगलूर पत्तन के व्यापियों के मंडल द्वारा निमित नव मंगलूर पता च्याम (कारम्बम अथवा वंदी करना और जलयान विक्रय) विनियम, 1989 को जैसा कि इस अधिकृतान के साथ संलग्न अनुमूली में विस्तार में उल्लेख किया गया है अनुमोदित करती है।

[का. सं. वी. ग्रा. 16012/1/89]  
योगेश्वर नारायण, संशुद्ध सचिव

महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 53 और 64 के साथ पठित धारा 123 द्वारा प्रदत्त गणितीयों का प्रयोग करने हुए बोई निष्ठानिकित विनियम बनाता है, अधिनि—

1. मंधित नाग और प्रारम्भ :

(1) इन विनियमों को ना. नं. मैट्र एन्टरप्राय (चू. मंगलूर पोर्ट इम्प्ट) विनियम, 1989 (कारम्बम अथवा घंटी करना और जलयान विक्रय) कहा जा सकता है।

(2) ये केंद्र सरकार के अनुमोदित में राजपत्र में प्रकाशित होने की भावों से लागू होंगे।

2. लागू होना :

ये विनियम उन सभी जलयानों पर लागू होंगे जिनके संबंध में, कोई रेट अथवा जुर्माना अथवा दोनों ही महापत्तन न्याय, अधिनियम, 1963 के अधीन, अथवा उसके अतिरिक्त

किसी विनियम अथवा आदेश के अधीन देय हो, लेकिन येकेन्द्र भवकार अथवा राज्य मण्डल के जलयानों अथवा उसके सेवाधीन जलयानों अथवा किसी विदेशी गत्य के किसी युद्धपात्र पर लागू नहीं है।

### 3. परिभाषा :

इन विनियमों में जब एक की सदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(1) "शिविनियम" का अर्थ है महापात्र चाम अधिनियम, 1963 (1963 का 38)।

(2) "उप संरक्षक" का अर्थ है यह अधिकारी जो इन सभ्य सौविधाओं, न्यू बंगलूर पॉर्ट ट्रस्ट का प्रभागी है और उपसंरक्षक के प्रतिनिधि और सतायक और उपसंरक्षक के अधीन वाप कर रहा कोई अन्य अधिकारी भी शामिल है।

(3) "फार्म" का अर्थ है इन विनियमों से संबंधित कार्म।

(4) "रेट" का अर्थ है अधिनियम के अधीन देय रेट अथवा जमीन।

(5) हम विनियमों में "इस्तेमाल किए" गए जिन शब्दों और अधिकारियों को परिभाषा द्वारा विनियमों से नहीं वीर्य है लेकिन जिनकी परिभाषा अधिनियम में वीर्य है, उन शब्दों और अधिकारियों में ताहर्य अधिनियम में दी गई परिभाषा में होगा।

### 4. करस्पष्ट अथवा जलयान वंदी बनाना :

(1) यदि ऐसा कोई जलयान जिनके संबंध में रेट/जमीन की अदायगी नहीं वीर्य है। पात्र पर बढ़ा हो तो उपसंरक्षक कार्म। मैं मांग करेगा कि अनिकमी जलयान का मास्टर उन्हें मांग जारी होने की तारीख से तात दिन की अवधि के अन्वर सभी रेटों अथवा जमीनों की अदायगी करे।

(2) उन्हें मांग के माथ उन विलों की प्रति नंबरन की जाए जिन में उस रेट अथवा जमीन के पूरे अंदर दिए गए हों जिनकी अमूली संबंधित जलयान के आनिक अथवा प्रेट से को जानी है और जिनकी अदायगी अभी तक बंटी को देय है।

(3) उन्हें मांग मास्टर से को जाएगी और मास्टर के उपलब्ध न होने की स्थिति में जलयान के भल्लू पर मांग नोटिस लगाने का मास्टर की दी मांग संबंधी सूचना ही भयक्ता जाएगा।

(4) यदि अनिकमी जलयान का मास्टर रेट/जमीन अथवा उसके किसी अंश की अदायगी मास्टर से को गई भयक्ता में विनियिष्ट समय-सीमा के अन्दर करने से इतकार करना है अथवा करने में लापरवाही बरकरार है तो वोह उन्हें जलयान और नोटिस जारी करेगा और उसके कारस्पष्ट अथवा वंदी कर मकान है और उसे तब तक रोके रखेगा जब तक वोह को देय राशि की अदायगी गई विदेशी अवधि के लिए बचाए गई अतिरिक्त राशि महिने नहीं कर दी जानी जिस अवधि में जलयान रोक कर अथवा वंदी बनाकर रखा गया गया हो।

(5) अनिकमी जलयान को करस्पष्ट करने अथवा वंदी बनाने के लिए उप संरक्षक कार्म II में वंदी बनाने का बांट स्पष्ट रूप से देय राशि विनियिष्ट बनाए

द्वाग जारी करेगा और उसमें उसमें इन अन्त के उल्लेख भी किया जाएगा कि उसे तब तक करस्पष्ट अथवा दीप्ति बन कर रखा जाएगा जह तक रेट अथवा जमीन के भाव-मात्र देय होने वाली अतिरिक्त राशि की अदायगी बोही की पूर्ण संतुष्टि के अनुसार नहीं कर दी जाएगी।

(6) (क) गिरफ्तारी बांट जलयान के मास्टर को दिया जाएगा और उसकी प्रति जलय न के मस्तूक पर लमाई जाएगी।

(ख) मास्टर के उपलब्ध न होने पर अथवा बंट लेने से इन कार ब्रेक के मामलों में जलयान के भल्लू पर बंट की प्रति लगाने की धर्म बमास जाप्या। कि मास्टर की बांट की प्रति कर्ता नामील कर दी गई है।

(7) यदि जलयान करस्पष्ट करने और वंदी नहीं बनाई रेट जबतक अबता उसे रखने की लाजन की अदायगी अथवा न के आनिक अथवा मास्टर अथवा एजेट द्वारा बोही की पूर्ण संतुष्टि के लिए करस्पष्ट अथवा गिरफ्तारी किए जाने के अगली पाँच दिन की अवधि के अन्दर नहीं की जाती है तो वोह अथवा जलय न अथवा इस तरह से करस्पष्ट रोककर रखी गई बरकरारों को भेज देगा।

(8) यदि किसी विदेशी जलयान का करस्पष्ट करने पर अथवा वंदी बनने का अदेश दिया जाता है तो उसकी बूचना उस देश के द्रष्टव्य को और जल भूति बनावालय के ग्राम्यकों से भरत बरकरार को भी दी जाएगी।

### 5. करस्पष्ट अथवा वंदी बनाए गए जलयानों का विकास :

(1) उप संरक्षक करस्पष्ट जलयान की आवश्यकता विकास का प्रभाव लगाने के लिए अन्तमीरित सर्वेक्षकों द्वारा जलयान बूचन निविदित सर्वेक्षण करायेगा।

(2) उप संरक्षक जलयान और सौकापकरण, पोत मज़ा का वंदी कर्ता विकास के लिए प्रस्तुत करने से पहले बहानिरेक्षक की अनुमति लेगा।

(3) भाल विकास अधिनियम, 1930 के उपर्योगों और निविदा बूचन में वीर्य विकास के लगाने के अनुसार विकास की जाएगी।

(4) भाली ब्रेन विकास के अध्यक्ष ने वार प्रमुख वर्ष जारी—प्रबों के जिन में हिंदी और एक अंग्रेजी भाषा का वैनिक भी ज्ञानित है, निविदा ब्रान करने की अनिम सारीकर का उल्लेख करते हुए श्रेष्ठों ने कार्ब-III में वीलवंद निविदा अवधिकार की जाएगी।

(5) भाली श्रेष्ठों की प्रेस में अकाशित विकास के वार उप संरक्षक द्वारा निवान की वीर्य विनियिष्ट अवधि के दौरान जलयान का निरीअन्त करने की अनुमति दी जाएगी।

(6) प्रत्येक निविदा के सब भागों में उप संरक्षक द्वारा विवान वयना शहि वैक ब्रान के स्पष्ट में जल भर्ती जाएगी।

(7) निवान न रीक्ष और भाग्य के बाद प्राप्त की गई निविदा बूचन भाली अस्वीकृत भाली जाएगी।

(8) भीलवंद निविदा उप संरक्षक द्वारा निविदा बूचनों के लिए निवान भाली को और निवान वयन को उपस्थिति में छोली जाएगी और यदि कोई निविदाकर निविदा बूचनों के लिए निवान वयन के लिए निवान वयन को उपस्थिति की जा रहती है।

(५) सफल निविदाकर राजीव शाकर की स्वीकृति की सूचना भेजी जाएगी।

प्रभारी में सम्योजित को जाएगी जिसमें जलयान विकास लंगड़ भी शामिल होगी।

(१०) सफल निविदाकर को प्रस्तुति रिपोर्ट के 25 दिनों की अवधियां निविदा के स्वीकृति होने की तारीख से 5 दिन के अन्दर और रिपोर्ट की अदायगी उस तारीख से 15 दिन के अवधि करनी होती। निविदाकर की निविदा शुल्क के अनुसार उप संरक्षक द्वारा निर्वाचित मूल्य के लिए अनुसंधान गारंटी भी प्रभिष्ठित जगह के रूप में जमा करनी होती जिसे सफलता पुरक कार्य समझ होने के बावजूद भवित्व की अवधि के अन्दर बापूम कर दिया जाएगा। किन्तु इस सरहद जमा कराई गई गणि पर पतन कोई बदल नहीं देता।

(११) स्वीकृति की तारीख से 55 दिन के अन्दर प्रस्तुति रिपोर्ट के 25 प्रतिशत अग्र की अवधियां त करने पर जब तक कि अन्यथा आदेश न दिया गया हो, विक्री स्थल ही प्रतिसंहत हो जाएगा और अपना रिपोर्ट संबंधित (जन) कर वी जाएगा और जलयान उन निविदाकर के जारीब पर पुनः बेब दिया जाएगा जिसकी निविदा स्वीकृति की गई थी।

(१२) यदि किसी कारणबद्ध जलयान बैद्यनाह से 30 दिन के अन्दर नहीं हटता जाता तो पतन के दूर जान में निर्वाचित लागत प्रभारी के अवधि अधिनियम द्वारा भारे की उपर्युक्ती की जाएगी।

ज्ञान दें कि यदि उल्लिखित रिपोर्ट और करन्सब की लागत करन्सब आदेश (अधिकारी) की संगीकार से 5 दिन के अन्दर निविदत नहीं हो जाती है तो उक्त अधिनियम की धारा 64 के अधीन वी गई अविवादी के अधीन उपर्युक्त जलयान बेचने के लिए बाध्य होंगा और विक्री से हुई आय बोई के देव

मैसर्स को प्रति :  
जलयान के मालिक  
मैसर्स को प्रति :  
जलयान का एजेंट  
३. जलयान के क्रेता का दाइव

भवदोष  
उपसंरक्षक

(१) निविदा के स्वीकृति की सारीब को और तारीख में देय रेट/जुर्माने और अन्य प्रभारे क्रेता से देय होती।

२ निविदा स्वीकृत होने पर क्रेता उपसंरक्षक द्वारा प्रत्यक्षित ३० दिन के लिए पतन को देय राशियां शुल्क और प्रभारी की उनी राशि जगह कराया जिसी उस अवधि के लिए देय होती।

(३) लागू रीम-शुल्क और उत्पाद शुल्क, बिक्री कर, स्थानाय कर, आदि क्रेता को बहन करने होगे और वह संबंधित प्राधिकारी उक्त शुल्कों और करों की राशियों प्रैषित करेगा और पतन द्वारा जलयान ले जाने की घनुमति देने में पहले उक्त अवधियों की न्योदय प्रस्तुत करेगा।

४ (क) निविदा स्वीकृत होने के तत्काल बद क्रेता जलयान के बन्दरगाह पर रखे जाने की अवधि के द्वारा जलयान को प्रमाणपत्र मिट्टर प्रमाणपत्र अधिकारी और पर्याप्त कर्मचाल के सभ इंजीनियरों में रखित और अनुरक्षित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं करेगा।

(क) यदि क्रेता द्वारा द्वारा जलयान की रक्षा और अनुरक्षण के लिए अधिकारी व्यवस्था नहीं की जाती तो पतन प्राधिकारी इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त व्यक्ति पर नियोजित करेंगे और इस संबंध में किए गए सभी पर्योजित व्यवस्थों की असुरक्षा क्रेताओं से की जाएगी।

अधिक  
न्यू मैग्नूर थोर्ट इन्ड

### कार्म—।

[विनियम 4 (1) देखें]

सेवा में  
मास्टर,  
एम. बी./एस. एम.

विषय:—एम. बी. रेट/जुर्माना—रेट/जुर्मानों को गैर-अदायगी—तत्काल अदायगी करने को मांग करने हुए नोटिस जारी करना।

महोदय,

मेरा उच्चत पक्के देखे जिसमें आपसे ता.—को अथवा से पहले पतन व्याप को महात्मन व्याप अधिनियम, 1693 के उपर्युक्तों/विनियमों अधिका उपके अधीन किए गए अधीनों के अधीन देय निम्ननिवित रेट और जुर्मानों के लिए तारोद्व—  
तक—रु. की गणि की अदायगी करने का अनुरोध किया गया था।

1.—अभी तक जलयान के मास्टर के हूप में अपने अथवा एजेंट ने पूर्वोक्त रेट/जुर्माने के संबंध में मांगी गई पतन को देय राशियों की अदायगी के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है। इस प्रकार ता.—को—रु. की गणि आपके नियंत्रणाधीन जलयान के लिए देय है।

3.—नेकिन

2. आपको इन सात दिनों में उपर्युक्त प्रदायगी करते के लिए नोटिस दिया जाता है, इस नोटिस के मिशने के बाद उसका अनुपालन न करने पर भावपत्रन न्यास अधिनियम 1963 की धारा-64 के उपबंध के अधीन जलयान और नौकोपालण, पोत-मज्जा, पोत फर्नीचर का करस्थम करने और बंदी बनाने के लिए प्रतिसंहृत कर लिया जाएगा जब तक कि बोई का देव राशि और जिस अवधि में जलयान रोककर अथवा बन्दी बनाकर रखा गया हो इस अवधि की अतिरिक्त राशि महित अदा नहीं कर दी जाती।

भवदीय,

उप-संरक्षक

मैसर्स को प्रति

एम. बी. के मानिक

मैसर्स को प्रति : जलयान के एजेंट

फार्म-II

[विनियम 4 (5) देखें]

सेवा में,

मास्टर,  
एम. बी./एस. एम.

विषय : शिविंग—एम. बी. रेट/जुर्माना रेट/जुर्मानों की गैर-अदायगी—करस्थम आदेश—

संबंध : तारीख—का मेरा समसंबंध पत्र।

महोदय

मेरा उद्देश पत्र देखें जिसमें आपसे ता. ————— को अथवा से पहले ————— पत्रन न्यास को देव रेट/जुर्मानों के लिए तारीख ————— तक ————— रु. की राशि को अदायगी करने का अनुरोध किया गया था। लेकिन अभी तक जलयान के मास्टर के रूप में आपने अथवा एजेंट ने ता. ————— को मांगी गई न्यू मैगलूर पत्रन न्यास को देव राशियों की अदायगी के संबंध में काई कार्रवाई नहीं की है। आपको एतद्वारा भुचना दी जाती है कि ता. ————— को रेट/जुर्मानों के लिए लगभग ————— रु. की राशि आपके नियंत्रणाधीन जलयान के लिए देय है। बोई को देव उपर्युक्त रेट/जुर्माने की गैर-अदायगी को ध्यान में रखते हुए मैं एतद्वारा महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबंधों के अधीन दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश पारित करता हूँ कि जलयान एम. बी. ————— करस्थम कर लिया जाए और तब तक निरुद्ध रखा जाए जबतक ऐसी किसी अवधि के लिए ————— बोई को देव राशि और जिस अवधि में जलयान रोककर अथवा बन्दी बनाकर रखा गया हो उस अवधि के लिए भी अतिरिक्त राशि बोई को अदा नहीं कर दी जाती।

फार्म-III

[विनियम 5(4) देखें]

विज्ञापन

महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा—64 द्वारा प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए न्यू मैगलूर पार्ट द्रस्ट जलयान एम. बी. की बिश्री के लिए आशयित फैताओं से सोलबंद निविदाएँ “जैसा है जहाँ है” आधार पर आमंत्रित की जाती है।

2. जलयान का सक्रिय ब्योरा निम्नलिखित है :—

जलयान का नाम :—

निर्माण का वर्ष :—

सफल पंजीकृत टन भार :—

निवाल पंजीकृत सामान :—

लंबाई :—

चौड़ाई :—

गहराई :—

कुल भार :—

बैंक हास्प पावर :—

भारित कुल टन भार :—

निर्माण का अवय :—

प्रार्थ :—

3. आपार दो हरे सोलबंद लिफाफे में तारीख—को—बजे से पहले उप-संरक्षक, न्यू मैगलूर पोर्ट ट्रस्ट के नाम से—रु० (रुपए) की व्याना जमा—के पक्ष में—पर देय बैंक फ्राप्ट ड्वाग्राम अमंत्रित को जाती है। निवाल के लिफाफे पर “एम. वि.—की खरोद के लिए निवाल” लिखकर प्रस्तुत की जानी आहिए।

4. नियत तारीख और समय के बाद प्राप्त की गई मध्यी संविदाएं तकान पंजीकृत समझो जाएगी।

5. जलयान की खरोद के लिए सोलबंद निविदा उप-संरक्षक को उपस्थिति में न्यू मैगलूर पोर्ट ट्रस्ट के कार्यालय में तारीख—को खोली जाए गी।

6. सफल निविदाकार प्रात्तावित राशि के 25 प्रतिशत अंश की अदायगी निविदा के स्वीकृति होने की तारीख से 5 दिन के अन्दर और शेष राशि की अदायगी उस तारीख से 15 दिन के अन्दर करेगा।

कोई बैंक गारंटी स्वीकृत नहीं की जाएगी। निविदा की स्वीकृति को तारीख से 5 दिन के अन्दर प्रात्तावित राशि के 25 प्रतिशत अंश की अदायगी न किए जाने पर जब तक कि अन्यथा आवेदन न दिया गया हो, बिक्री स्वतः ही प्रतिपंदृत हो जाएगी और—की ब्याना जमा जल्त कर ली जाएगी और जहाज (शिप) उस निविदाकार के लागत जोखिम पर पुनः बेच दिया जाएगा जिसकी निविदा स्वीकृत की गई थी। यदि बिक्री शेष की अदायगी निविदा स्वीकृत होने को तारीख से 15 दिन के अन्दर नहीं की जाती तो बिक्री स्वतः ही प्रतिसंहृत हो जाएगी और—रु. की ब्याना राशि जल्त कर ली जाएगी। पहले से ही प्रदत्त 25 प्रतिशत राशि उक्त पुनः बिक्री के लिए होने वाली कमी अथवा अन्य खबरों को पूरा करने के लिए रख ली जाएगी।

7. लागू सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, बिक्री कर, स्थानीय कर, आदि केताओं के द्वारा ली जाएगी।

8. निविदाएं उप-संरक्षक की उपस्थिति में तारीख—को—पर न्यू मैगलूर पोर्ट ट्रस्ट में उसके कार्यालय में खोली जाएगी और किसी निविदा की स्वीकृति एकमात्र न्यू मैगलूर पोर्ट ट्रस्ट के उप-संरक्षक के स्वनिर्णय पर होगी।

9. बिक्री के तारीख से 30 दिन के अन्दर जहाज न्यू मैगलूर पोर्ट ट्रस्ट से हटा निया जाना आहिए। इस समय के दौरान जहाज प्रमाणपत्रित मास्टर प्रमाणयनित अधिकारियों और प्रनागात्रित इंजीनियरों और उपर्युक्त कर्मचारियों की देख-रेख में रखा जाना चाहिए। ये व्यवस्थाएं केता द्वारा की जानी चाहिए।

10. केता को जलयान की बिक्री को तारीख से बंदरगाह से वास्तव में जलयान हटाने की तारीख तक के सभी रेट/जुर्मानों की अदायगी महापतन न्यास विनियम 1987 (जलयानों को करस्तम करना अथवा बंदी बनाना और बिक्री) के अनुसार करती होगी।

11. किसी भी परिस्थिति में केताओं को बंदरगाह में अथवा पतन की सीमाओं के अन्दर जहाज को खोल डालते (डिसमेंटल) की अमनुति नहीं दी जाएगी। जब तक कि अन्यथा ऐसा करने की अनुमति न दी गई हो।

12. ——पर खड़े जहाज का निरोक्षण उप-संरक्षक द्वारा पूर्व निर्धारित तारीख—से—तक किया जा सकता है।

13. पतन की किसी भी निविदा अथवा सभी निविदाओं को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत करने का अधिकार है।

14. किसी भी परिस्थिति में केताओं को बंदरगाह में अथवा पतन की सीमाओं के अन्दर जहाज को यांत्र यानों शामिल नहीं होने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि अन्यथा ऐसा करने की अनुमति विशिष्ट रूप से न दी गई हो।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 20th September, 1989

## NOTIFICATION

G.S.R. 847 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 121 read with sub-section (i) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the New Mangalore Port Trust (District or Arrest and Sale of Vessels) Regulations, 1989 made by the Board of Trustees of New Mangalore Port in exercise of the powers conferred on them by section 123 of the said Act and published in the Karnataka Government Gazette dated 25th May, 1989 and 1st June, 1989 as detailed in the schedule annexed to this notification.

[File No. PR. 160121/89-PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

## SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by Section 123, read with Section 53 and Section 61, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Board hereby makes the following regulations, namely :—

## Short title and commencement :

(1) These regulation may be called the New Mangalore Port Trust (Distraint or Arrest and sale of Vessels) Regulations, 1989.

(2) They shall come into force on the date of publication of the approval of the Central Government in the Official Gazette.

## 2. Application :

These regulations shall apply to all vessels in respect of which any rates or penalties or both are payable under the Major Port Trusts Act, 1963 or under any regulations or orders made thereunder, but shall not apply to vessels belonging to, or in the service of the Central Government or a State Government or to any vessel of war belonging to any Foreign State.

## 3. Definition :

In these regulations, unless the context otherwise requires,

- (i) "Act" means the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963);
- (ii) "Deputy Conservator" means the Officer for the time being in charge of the Marine Department, New Mangalore Port Trust and includes the Deputies and Assistants to the Deputy Conservator and any other Officers acting under the authority of the Deputy Conservator;
- (iii) "Form" means the form annexed to these regulations;
- (iv) "Rates" means the rates or penalties payable under the Act;

(v) Words and expressions used in these regulations but not defined and defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

## 4. Distraint or arrest of vessels :

(1) Where any vessel in respect of which rates/penalties have not been paid is lying at the Port, a demand in Form I shall be made by the Deputy Conservator upon the Master of the defaulting vessel requiring the said Master to pay all the rates or penalties within a period of seven days from the date of issue of the said demand.

(2) The said demand shall accompany the copy of the bills containing the full particulars of rates or penalties which were raised against the owner or agent of the concerned vessel and payment of which still remains due to the Board.

(3) The said demand shall be served upon the Master and in the event of non-availability of the Master, the affixing of the demand notice on the mast of the vessel shall be deemed as service of the demand upon the Master.

(4) If the Master of the defaulting vessel refuses or neglects to pay the rates/penalties or any part thereof within the time limit specified in the demand made upon the Master, the Board may proceed to distrain or arrest such vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

(5) In order to distrain or arrest the defaulting vessel, the Deputy Conservator shall issue a warrant of arrest in Form II clearly specifying the amount due and indicating that the distraint or arrest shall continue until the amount so due to the Board together with further accrual of rates or penalties and costs are paid towards full satisfaction of the Board.

(6) (a) The warrant of arrest shall be served upon the Master of the vessel and a copy thereof shall also be affixed on the mast of the vessel.

(b) In cases where the Master is not available or avoids service of the warrant, the fixing of the copy of the warrant on the mast of the vessel shall be deemed as service of the warrant upon the Master.

(7) If the said rates/penalties or cost of the distraint or arrest of the vessel or of the keeping of the same are not paid by the owner or master or agent of the vessel towards full satisfaction of the Board within a period of five days next after the distress or arrest has been made, the Board shall cause the vessel or other things so distrained or arrested to be sold.

(8) In the case of a foreign vessel placed under distraint or arrest by an order, the Embassy of the Flag Country and the Government of India in the Ministry of Surface Transport shall also be informed.

## 5. Sale of distrained or arrested vessel :

(1) The Deputy Conservator shall have a valuation survey of the vessel carried out by approved

Surveyors to ascertain the reserve sale price of the distressed vessel;

(2) The Deputy Conservator shall obtain the permission of the Director General, Shipping before putting the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, to sale.

(3) The sale shall be held in accordance with the provisions of the Sale of Goods Act, 1930 and also in terms of the conditions of sale as per Tender Notice.

(4) Sealed tenders shall be invited from the prospective buyers through press advertisement, as in Form III, at least in four leading newspapers, including Hindi and one regional language daily, specifying the last date for the receipt of tenders.

(5) The prospective buyers shall be permitted to inspect the vessel after the sale notice is published in the Press, during a specified period which shall be fixed by the Deputy Conservator.

(6) Each tender shall be accompanied by an earnest money deposit, to be paid by bank draft, to be fixed by the Deputy Conservator in each case.

(7) The tenders received after the due date and time, shall be summarily rejected.

(8) The sealed tenders shall be opened in the presence of tenderers present on the date and time fixed by the Deputy Conservator for opening the tenders and if any tenderer is not present at the time fixed for opening the tenders, his tender may be rejected without opening, giving the reasons.

(9) The acceptance of the offer shall be communicated to the successful tenderer.

(10) The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance amount within 15 days from that date. In addition to the tender value the successful tenderer will also deposit such money/bank guarantee for a value as determined by the Deputy Conservator as security deposit which will be returned within a period of 3 months after successful completion. However, no interest shall be paid by the Port on the deposit so made.

(11) In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall, unless otherwise ordered, stand automatically revoked, and the earnest money shall be forfeited, and the vessel shall be resold at the risk of the tenderer whose tender was accepted.

(12) If the vessel is not removed from the harbour for any reason within 30 days, additional berth hire charges beyond the normal charges, as laid down in the Port's Scale of Rates, shall be levied.

(13) Under no circumstances, the buyer shall be permitted to dismantle or break the ship inside the harbour or within the port limits, unless or otherwise it is specifically permitted to do so.

#### 6. Liabilities of the buyer of the vessel :

(1) On and from the date of acceptance of the tender all rates/penalties and other charges shall be to the buyer's account.

(2) Upon acceptance of the tender, the buyer shall deposit with the port an amount representing 30 days' port dues, fees and charges as may be estimated by the Deputy Conservator to be payable for such period.

(3) Customs and Excise duties, Sales Tax, Local Taxes, etc. shall be as applicable on buyer's account and he should remit the amounts on account of such duties and taxes to the concerned authorities and produce the receipts for such payments before the clearance is granted to the vessel by the port.

(4) (a) Immediately after the acceptance of the tender the buyer shall make all arrangements for manning and maintenance of the vessel by a certificated master, certificate officers and certificated engineers with an adequate number of crew during the period the vessel is kept inside the harbour.

(b) In case of failure by the buyer in making necessary arrangements for manning and maintaining the vessel, the port authorities may hire and employ proper persons for that purpose and all reasonable expenses incurred in this connection shall be recoverable from the buyer.

#### FORM-I

[See Regulation 4(1)]

To:

The Master,  
m.v./S.S.

SUBJECT: m.v. Rates/Penalties—Non-Payment of rates/penalties—Issue of Notice demanding immediate payment.

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs..... as on..... towards the following rates/penalties payable under the provisions of the Major Port Trusts Act, 1963/ regulations or orders made thereunder due to the Port Trust on or before .....  
 1. .... 2. .... 3. ....

No steps have so far been taken by you as the Master of the vessel, or by the Agents, to pay dues to the

Port as demanded towards aforesaid rates/penalties. As on....., an amount of Rs.....is due from the vessel under your command.

2. Notice is hereby given to you for making the above payment in this seven days on receipt of this Notice, failing which provisions of Section 64 of the Major Port Trusts Act 1963 will be invoked to distrain or arrest the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part of hereof, and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under restraint or arrest, is paid.

Yours faithfully,  
DEPUTY CONSERVATOR

Copy to M/s.

Owners of m.v.

Copy of M/s.

Agents of the vessel.

**FORM-II**  
[See Regulation 4(5)]

To:

The Master,  
m.v./S.S.

**SUBJECT: SHIPPING —m.v. Rates/penalties —Non-payment of rates/penalties —Distrain order—Issue of.**  
Ref : My letter of even number dated.....

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs....., as on....., towards the Rates/penalties due to the .....Port Trust on or before..... No steps have so far been taken by you as Master of the vessel or by the agents to pay the dues to the New Mangalore Port Trust as demanded on..... You are hereby notified that an approximate amount of Rs....., towards rates/penalties as on....., is due from the vessel under your command.

In view of the non-payment of the above rate/penalties due to the .....Board, I hereby pass orders in exercise of the powers given under the provisions of Section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963, that the vessel m.v....., is hereby distrained and will be kept under detention until the amount due to the .....Board together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is distrained and detained is paid.

Please also note that in case the above said amount and the cost of the restraint is not settled within 5 days from the date of distrain order (i.e.)....., I shall be constrained to sell the above vessel under the powers vested under Section 64 of the said Act and the sale proceeds will be adjusted against the charges due to the Board including the cost of the sale of the vessel.

Yours faithfully,  
DEPUTY CONSERVATOR

Copy to : M/s.

Owners of m.v.

Copy to : M/s.

Agent of the vessel.

## FORM—III

[See Regulation 5(4)]

## ADVERTISEMENT

In exercise of the powers conferred by Section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963, New Mangalore Port Trust invite sealed tenders from the intended purchasers for the sale of the vessel m.v. .... on "as is where is" basis.

2. Brief particulars of the vessel are as follows:

Name of the vessel \_\_\_\_\_

Year of Built \_\_\_\_\_

G.R.T. \_\_\_\_\_

N.R.T. \_\_\_\_\_

Length \_\_\_\_\_

Breadth \_\_\_\_\_

Depth \_\_\_\_\_

Deadweight \_\_\_\_\_

Classification \_\_\_\_\_

Engine \_\_\_\_\_

B.H.P. \_\_\_\_\_

L.D.T. \_\_\_\_\_

Year of Built \_\_\_\_\_

Yard \_\_\_\_\_

3. Officers in double sealed covers are invited before ..... Hrs. on ..... addressed to the Deputy Conservator, New Mangalore Port Trust alongwith an Earnest Money Deposit of Rs. .... (Rupees ..... ) by Bank Draft payable at ..... in favour of ..... The tender should be submitted superscribing on the envelop  
**TENDER FOR THE PURCHASE OF M.V. ....**

4. All tenders received after the due date and time will be summarily rejected.

5. The sealed tenders for the purchase of the vessel shall be opened on ..... in the presence of Deputy Conservator, New Mangalore Port Trust in his office. The acceptance of the offer will be communicated to the successful tenderer.

6. The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance within 15 days from that date. No Bank Guarantee will be accepted. In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall unless otherwise ordered, stand automatically revoked and the Earnest Money Deposit of Rs. .... forfeited and the ship resold at the risk of cost of the tenderer, whose tender was accepted. Should the balance of sale consideration be not paid within the aforesaid time of 15 days from the acceptance of the tender, the sale shall stand automatically revoked and the earnest money of Rs. .... be forfeited. The 25% amount ready paid shall be retained to meet any shortfall or other expenses arising out of the said resale.

7. Customs, Excise, and Import Duty, Sales Tax, Local Taxes, etc. as applicable on 'BUYERS ACCOUNT'.

8. The tenders will be opened on ..... at ..... in the presence of the Deputy Conservator, New Mangalore Port Trust in his office and the acceptance of any tender will be at the sole discretion of the Deputy Conservator, New Mangalore Port Trust.

9. The ship should be removed from the New Mangalore Port Trust within 30 days from the date of sale. During this time the ship shoud be kept manned by certificated Master, certificated officers and certificated Engineers plus an adequate number of crew. These arrangements should be made by the Buyer.

10. The Buyer will have to pay all the rate/penalites from the date of sale of the vessel till the date of actual removal of the vessel from the harbour in accordance with the Major Port Trust (Distraint or Arrest and Sale of Vessels) Regulations,1987.

11. Under no circumstances, the Buyer will be permitted to dismantle the ship inside the harbour or within Port limits, unless or otherwise it is permitted to do so.

12. The ship which is lying at.....may be inspected by prior appoitment with the Deputy Conservator, from.....to.....

13. The Port reserves the right to reject any or all the tenders without assgning any reason whatsoever.

(PORT TRUST)